आत्मा को झकझोरने वाला उपन्यास

पुस्तक समीक्षा

उमा शर्मा

केवल मस्तिष्क को झकझोरने वाला ही नहीं अपितु आत्मा को जाग्रत कर देने वाला उपन्यास है काशी मरणान्मुक्ति।

मानव के चार पुरुषार्थ में से एक मोक्ष, जीवन के अंतिम सत्य से बार-बार साक्षात करवाता- यह उपन्यास 'महा' नामक एक चाण्डाल पर आधारित है।

सद्गुरु की खोज में लीन यह चांडाल आध्यात्म के चरम को पाकर शिव हो जाता है। इस यात्रा में उससे अनेक जन बार-बार मिलते हैं बिछुड़ते हैं जीवन का यथार्थ समझते, समझाते हैं।

लेखक ने सभी पात्रों के साथ न्याय किया है भूमिका चाहे छोटी हो या बड़ी सभी की उपस्थिति दर्ज करवाई है। शिव पुराण व अन्य पुराणों का आधार लेकर रचा गया यह एक दार्शनिक उपन्यास है। द्वैत से अद्वैत की ओर भ्रमण करता कथानक अपने लक्ष्य में पूर्ण सफल हुआ है। वेद एवं पुराणों को कथा रूप में इस प्रकार पिरोया गया है कि पाठक को आदि काल से लेकर अनंत काल तक इनकी सार्थकता दिखाई देती है।

लेखक ने कहीं- कहीं अपने नायक के कमजोर पक्ष को भी पूरी ईमानदारी से दर्शाया है यथा पीड़ाओं की अविश्रांत धारा में अपने मर्त्य रूप को ही सब कुछ मानता 'महा', अमर अनाहत शाश्वत प्रकाश के

पुस्तक का नाम: 'काशी मरणान्मुक्ति'
लेखक द्वय: मनोज ठक्कर
रश्मि छाजेड़
मूल्य: रुपए 501

प्रति विमुख होता कबीर के प्रति भी विमुख हो चला था। अंतर के गूढ़ रहस्य को छोड़कर अब वह स्वयं को ही सब कुछ मान कबीर से द्वेष करता, अहंकार को जन्म देने लगा था। अपने उदास एवं बुझे जीवन में अब वह जगत की सीमाओं में बंद संकीर्ण चेतनाओं को जीता, आलस्य और अचेतना से व्याप्त अज्ञान के साम्राज्य की ओर पग बढ़ाने लगा था। कहीं महा के हृदय में झांककर लिखते हैं- महा के मूक अगाध हृदय सागर में उठते गिरते भावों में कभी मृत्यु के पीछे गोपित जीवन तो कभी जीवन से जुड़े मृत्यु आकार लेती निराकार में समा रही थी एवं दोनों के पीछे किसी अज्ञात के शाश्वत प्रकाश को देखते एक स्निग्ध स्मित उसके मुख मण्डल पर फैल गया था, जैसे किसी दिव्यता ने 'महा' को आ घेरा था। काशी के घाटों का व कुण्डों का बड़ा ही सजीव व रोचक वर्णन है पूरे उपन्यास में। पाठक स्वयं को काशी नगरी में विचरण करते हुए अनुभव करता है। विषय की गूढ़ता के कारण संभवतः उपन्यास की भाषा क्लिष्ट व शैली अलंकार युक्त दिखाई देती है। यदि भाषा सरल व बोधगम्य होती तो इसका रसास्वादन अधिक संख्या में पाठक कर पाते। सम्पूर्ण उपन्यास पठनीय है व आत्मा को तृप्त करने वाला है।